BA I, Paper II

Abnormal Psy.

Topic – Meaning and nature of Psychotherapy

मनोचिकित्सा का अर्थ होता है मानसिक रोगी का उपचार तथा मनोचिकित्सक प्रविधियों द्वारा असामान्य व्यक्तियों के कष्ट को दूर करना उनके असामान्य व्यवहारों को बदलकर उन्हें वातावरण के साथ अभियोजन करने में मदद करना होता है। इस प्रणाली के माध्यम से मानसिक रोगी के अलावा बाल-अपराध, समाज अपराध, यौन-विकृति कुसमायोजन का निराकरण भी किया जाता है जिसे असामान्य व्यवहार कहते हैं।

मनोचिकित्सा की प्रक्रिया का प्रारंभ चिकित्सक एवं रोगी के बीच परस्पर वार्तालाप द्वारा किया जाता है। इन पारस्परिक वार्तालाप द्वारा दोनों के बीच घनिष्ठ संबंध बन जाता है जिसके फलस्वरूप रोगी चिकित्सक पर पूर्ण विश्वास और आस्था रखने लगता है जिसके फलस्वरूप रोगी चिकित्सक की प्रत्येक बातें, सलाह, निर्देशन, संकेत को पूर्णतया मानने लगता है और चिकित्सक के सामने अपने मन की बातें खुलकर कहता है जिससे मनोचिकित्सक को रोगी की समस्याओं के निराकरण में मदद मिलती है। यह एक विश्वास और भरोसे पर आधारित मनोचिकित्सक और रोगी के बीच का व्यावसायिक संबंध है जो नैतिक आदर्शों पर

विधि, मोटेथ।

व्यक्तिगत संबन्ध को विभिन्न विधि परिभाषाओं द्वारा स्पष्ट किया गया।

पेज (Page) के अनुसार, "मनोवैज्ञानिक विधियों के द्वारा मानसिक संवेगी विकृतियों की चिकित्सा को मनोचिकित्सा कहा जाता है।"

वोल्बर्ग (Wolberg) के मनोचिकित्सा में व्यक्तियों के बीच के वार्तालाप को कहते हैं जिसमें एक संवेगात्मक उपद्रवों से ग्रस्त रोगी रहता है और दूसरा संवेगात्मक उपद्रवों को अनुकूल में सुधार लाने में प्रशिक्षित पेशेवर चिकित्सक रहता है।

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि

(1) मनोचिकित्सा द्वारा मानसिक रोगियों की चिकित्सा की जाती है।

(2) जिसका प्रारंभ चिकित्सक एवं रोगी के बीच परस्पर वार्तालाप से होता है।

(3) मनोचिकित्सक की प्रविधियाँ मनोवैज्ञानिक स्वरूप की होती है।

(4) जिसके द्वारा रोगी के संवेगात्मक उपद्रवों को दूर करने की कोशिश की जाती है या रोगी के व्यक्तित्व की असामान्यता को दूर कर उसे वातावरण के साथ समायोजित करने में मदद करता है।

Kumar Patel
Maharaja College, Ara